AAJ KA KANPUR-92.p...

अंक-143 कानपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

निक्रा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियां विषय पर पांच दिवसीय (19 से 23 जुलाई 2024) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46, सीएसआर 36, सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपण,जल संरक्षण के साथ ही मृदा सुधार पर विशेष बल दिया वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने बताया कि कृषक भाई ऊसर सहनशील विभिन्न फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के हेतु कृषकों को गुर सिखाए डॉक्टर सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊसर भूमियों में फलदार पेड़ जैसे जामुन, बेल, अमरूद, आंवला, लसोड़ा, शहतूत, नींबू ,करौंदा आदि की बागवानी करें। जबकि छायादार पौधे हेतु सहजन, नीम, करंज, महुआ आदि की बागवानी कर अधिक लाभ अर्जित करें कार्यक्रम को शुभम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान कर सफ़ल बनाया कृषक प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान चरन सिंह, लाल सिंह, अमर दीप एवं रविशंकर सहित 25 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया.

24 July.2024_Jan-exp...

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 280
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
बुधवार
24 जुलाई, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियां विषय पर चल रहे पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया की ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46, सीएसआर 36, सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं। उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपण, जल संरक्षण के साथ मृदा सुधार पर बल दिया।वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा ने बताया कि किसान ऊसर सहनशील विभिन्न फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो। उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के लिए कृषकों को गुर सिखाए। डॉ. सिंह ने किसानो को संबोधित करते हुए कहा कि ऊसर भूमियों में फलदार पेड़ जैसे जामुन, बेल, अमरूद, आंवला, लसोड़ा, शहतूत, नींबू, करौंदा आदि की बागवानी करें। जबकि छायादार पौधे के लिए सहजन, नीम, करंज, महुआ आदि की बागवानी कर अधिक लाभ अर्जित करें। कार्यक्रम को शुभम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान कर सफ़ल बनाया। कृषक प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान चरन सिंह, लाल सिंह, अमर दीप एवं रविशंकर सहित 25 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

राष्ट्रीय बजट में शिक्षा को वरीयता मिले | शादी के सवाल पर बोलीं श्रद्धा क

अंक :173 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ ,बुधवार 24 जुलाई 2024 | पृष्ठ : 08

निक्रा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

यूपी मैसेंजर

कानपुर,सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियां विषय पर पांच दिवसीय (19 से 23 जुलाई 2024) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46, सीएसआर 36, सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं। उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपण,जल संरक्षण के साथ ही मृदा सुधार पर विशेष बल दिया।वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने बताया कि कृषक भाई ऊसर सहनशील विभिन्न फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो। उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के हेतु कृषकों को गुर सिखाए।

रहस्य सन्देश 24/07/2024 कानपुर/ शाहजहांपुर/ उन्नाव

निक्रा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत "ऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियां" विषय पर पांच दिवसीय (19 से 23 जुलाई 2024) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की

प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46, सीएसआर 36, सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं। उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपण,जल संरक्षण के साथ ही मृदा सुधार पर विशेष बल दिया।वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने बताया कि कृषक भाई ऊसर सहनशील विभिन्न फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो। उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के हेतु कृषकों को गुर सिखाए।डॉक्टर सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊसर भूमियों में फलदार पेड़ जैसे जामुन, बेल, अमरूद, आंवला, लसोड़ा, शहतूत, नींबू ,करौंदा आदि की बागवानी करें। जबकि छायादार पौधे हेतु सहजन, नीम, करंज, महुआ आदि की बागवानी कर अधिक लाभ अर्जित करें। कार्यक्रम को शुभम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान कर सफ़ल बनाया।कृषक प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान श्री चरन सिंह, श्री लाल सिंह, अमर दीप एवं रविशंकर सहित 25 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

कानपुर, बुधवार
24 जुलाई, 2024
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 3
सं. 2081 वि.
वर्ष 35, अंक 332 पृष्ठ12
संस्करण : महानगर

मूल्य : 3 रुपये | epaper : epaper.swatantrabharat.net | web portal : swatantrabharat.net

निक्रा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत पऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियांप् विषय पर पांच दिवसीय ;19 से 23 जुलाई 2024द्ध कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46ए सीएसआर 36ए सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं। उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपणएजल संरक्षण के साथ ही मृदा सुधार पर विशेष बल दिया।वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने बताया कि कृषक भाई ऊसर सहनशील विभिन्न फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो। उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के हेतु कृषकों को गुर सिखाए।डॉक्टर सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊसर भूमियों में फलदार पेड़ जैसे जामुनए बेलए अमरूदए आंवलाए लसोड़ाए शहतूतए नींबू एकरौंदा आदि की बागवानी करें। जबकि छायादार पौधे हेतु सहजनए नीमए करंजए महुआ आदि की बागवानी कर अधिक लाभ अर्जित करें। कार्यक्रम को शुभम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान कर सफल बनाया।कृषक प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान श्री चरन सिंहए श्री लाल सिंहए अमर दीप एवं रविशंकर सहित 25 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यालय अधिशासी अ

अल

06/अधि0अभि0/न0

आम बजट 2024

हिंदुस्तान

अपना कानपुर

109
सुरक्षित प्रजातियों में 11 फसलों की प्रजातियां कानपुर में विकसित की गई हैं

10,00000
किसानों को लाभ मिलेगा उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती करने वाले को

40
फीसदी से घटाकर 20 फीसदी कर दी गई है चमड़े में एक्सपोर्ट ड्यूटी

"विकसित भारत के साकार करने वाला तो यह बजट सर्वजन हिताय वाला है पर विशेषतौर पर महिलाओं और उद्यमियों को राहत देने वाला है। किसान, युवा और मजदूरों का स्तर ऊंचा होगा।
- प्रमिला पांडेय, महापौर

जलवायु परिवर्तन में सुरक्षित 109 प्रजातियों में 11 कानपुर की

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। बजट सत्र में मंगलवार को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से जलवायु परिवर्तन में भी अच्छा उत्पादन करने वाली जिन 32 फसलों की 109 प्रजातियों का जिक्र किया गया, उनमें से 11 प्रजातियां कानपुर में विकसित की गई हैं। ये प्रजातियां गेहूं, सरसो, जौ और तिसी की हैं। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताई। कहा, फसलों की ये प्रजातियां जलवायु परिवर्तन में भी अच्छा उत्पादन देने के साथ रोगमुक्त और गुणवत्तायुक्त रहेंगी।

विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बजट को कृषि के लिए बेहतर बताया। कहा, वैज्ञानिक खेती को ध्यान में रख बजट आया है। अगले दो साल में प्राकृतिक खेती वाले देश के एक करोड़ किसान होंगे। उन्हें सरकारी एजेंसी की ओर से प्रमाणपत्र देने के साथ ब्रांडिंग करने की योजना है। इसका लाभ उत्तर प्रदेश के करीब 10 लाख से अधिक किसानों को मिलेगा।

फसल का निरीक्षण करते विवि के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार। (फाइल फोटो)

वहीं देश में 10 हजार बायो इनपुट संसाधन केंद्र खोले जाएंगे, जिसमें कानपुर समेत प्रदेश के कई जिले शामिल होंगे। ये इनपुट सेंटर किसानों की फसलों को कीट व केमिकल के उपयोग से बचाएंगे। इससे खाद्य सामग्री सुरक्षित रहेगी और बढ़ रही बीमारियों का प्रकोप कम होगा।

ये प्रजातियां होंगी शामिल

- गेहूं : के-1317, के-1616, के-7903 (हलना) और के-9423 (उन्नत हलना)
- सरसो : क्रांति और वरुणा
- तिसी : शेखर और आजाद अलसी-2
- जौ : गीताजलि, के-308 और के-0314

इनकी प्रजातियों की खासियत

- अधिक तापक्रम में अच्छा उत्पादन वाली प्रजाति : गेहूं की के-1317, के-1616, के-7903 और के-9423
- सूखा प्रतिरोधी प्रजाति : सरसो की क्रांति, वरुणा, तिसी की शेखर, आजाद अलसी-2 और जौ की गीताजलि, के-308, के-0314।

शहर दायरा न्यूज कानपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024

निक्रा परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निक्रा परियोजना अंतर्गत ऊसर भूमि सुधार एवं जलवायु अनुकूल फसलों की विभिन्न प्रजातियां विषय पर पांच दिवसीय (19 से 23 जुलाई 2024) कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को जलवायु अनुकूल विभिन्न फसलों की प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि ऊसर सहनशील धान की प्रजातियां सीएसआर 46, सीएसआर 36, सीएसआर 30 एवं सीएसआर 52 प्रमुख हैं उन्होंने अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल प्रजातियों के चयन के साथ ही पौधारोपण,जल संरक्षण के साथ ही मृदा सुधार पर विशेष बल दिया वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने बताया कि कृषक भाई ऊसर सहनशील विभिन्न

फसलों की प्रजातियां को अवश्य बोएं जिससे उन्हें ऊसर भूमियों में भी उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक प्राप्त हो उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बागवानी के हेतु कृषकों को गुर सिखाए डॉक्टर सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊसर भूमियों में फलदार पेड़ जैसे जामुन, बेल, अमरूद, आंवला, लसोड़ा, शहतूत, नींबू ,करौंदा आदि की बागवानी करें। जबकि छायादार पौधे हेतु सहजन, नीम, करंज, महुआ आदि की बागवानी कर अधिक लाभ अर्जित करें कार्यक्रम को शुभम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान कर सफ़ल बनाया कृषक प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान चरन सिंह, लाल सिंह, अमर दीप एवं रविशंकर सहित 25 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया

नरेन्द्र
गुर

शहर दाय

कानपुर।
निकेतन इ
कल्याणपु
पावन प
किया ग
अतिथि ग
प्रज्वलन
विद्यालय
बच्चों क
सिखाया
गुरूओं